that Education should be in the State list instead of the Concurrent list and, if so, what is his reaction in this matter?

MR. SPEAKER: The Second part does not arise.

DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER: As regards the first part, I welcome the proposal that 1000 primary schools will be opened in West Bengal. It is entirely a matter for the State Government to implement the proposal.

श्री फिरंगी प्रसाद : किसी भी देश के लिए साक्षरता बड़ी आवश्यक चीज होती है। मंत्री जी ने अपने उत्तर में यह कहा है कि यह बात राज्यों से सम्बन्धित है यह बात बिल्कुल स्पष्ट है कि जो स्कूलों में जाने वाले बच्चे हैं उन की अवस्था यह है कि अगर राज्य सरकारें उन की संख्या निश्चित भी कर देती है तो मुख्य रूप से गरीब घरों के लड़के स्कूल में नहीं जाते हैं और जब वे वयस्क हो जाते हैं तब वे वयस्क शिक्षा की ओर भी नहीं जा पाते हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से स्पष्ट रूप से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार स्कूल जाने वाले बच्चों, जो प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित हैं, की जो आयु हैं, उस को निश्चित कर के राज्य सरकारों को ऐसे परिपत्र जारी करेगी कि उन को निश्चित रूप से शिक्षा दी जाए ? होता क्या है कि प्राथमिक विद्यालयों में नाम तो लिख लिये जाते हैं लेकिन गरीब घरों के बच्चे स्कूलों में बहुत कम जाते हैं और इस बात का मूल्यांकन नहीं होता है कि कितने बच्चे स्कूल नहीं गये जिस का नतीजा यह होता है कि आगे जा कर अशिक्षितों की संख्या बढ़ जाती है। इस दिशा में माननीय मंत्री जी की क्या प्रक्रिया है, यह मैं जानना चाहता हूं। वे इस प्रकार के आदेश जारी करें जोकि देश के लोगों के हित में हों।

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : सरकार का ध्यान इस पर आकर्षित हुआ है। इसलिए अगली योजना में यह तय हुआ है कि सैकड़ों में पचास यानी आधा हिस्सा प्राथमिक शिक्षा पर व्यय करना ही चाहिए और योजना कमीशन ने यह बताया है कि लगभग 450 करोड़ रुपया जो पहली योजना में था, वह बढ़ कर लगभग 900 करोड़ हो जाएगा इस से पता चलता हैं कि अगली योजना में प्रान्तों में प्राथमिकता शिक्षा के विकास और प्रसार के लिए काफी कदम उठाया जाएगा।

प्रशिक्षित अन्धे व्यक्तियों की शिक्षा

\+

***207. श्री यमुना प्रसाद शास्त्री :**
श्री शंकरसिंहजी वाघेला :

क्या शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 2 अक्टूबर, 1978 से देश भर में आरम्भ किए जाने वाले प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्रेल पद्धति के माध्यम से लगभग एक करोड़ अशिक्षित अंधे व्यक्तियों को शिक्षा देने की व्यवस्था है;

(ख) यदि हां, तो अंधे प्रौढ़ व्यक्तियों को शिक्षा देने के लिए राज्यवार कितने और किन किन स्थानों पर केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं; और

(ग) अन्धे प्रौढ़ व्यक्तियों को ब्रेल पद्धति से शिक्षा देने और उन्हें तकनीकी शिक्षा देकर आत्म-निर्भर बनाने का कार्य करने वाले सामाजिक संगठनों या न्यासों को सरकार का क्या सहायता देने का विचार है ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) और (ख) समाज कल्याण विभाग दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए एक राष्ट्रीय संस्थान स्थापित करना चाहता है, जिसमें एक पत्राचार अनुभाग भी होगा। आशा है यह अशिक्षित दृष्टिहीन व्यक्तियों को ब्रेल के माध्यम से प्रौढ़ शिक्षा देगा तथा स्थानीय संस्थाओं की सेवाओं का उपयोग करके यह दृष्टिहीनों में साक्षरता फैला सकेगा।

(ग) समाज कल्याण विभाग विकलांग व्यक्तियों से सम्बन्धित स्वयंसेवी संगठनों को, जिनमें विकासात्मक गतिविधियों के लिए दृष्टिहीनों से सम्बन्धित संगठन भी शामिल हैं, सहायता देता है।

श्री यमुना प्रसाद शास्त्री : माननीय मंत्री जी ने जो अभी उत्तर दिया है, वह बहुत निराशा-जनक है। देश में एक करोड़ नेत्रहीन व्यक्ति हैं और उनके लिए एक राष्ट्रीय संस्थान स्थापित किया जाएगा। केवल एक राष्ट्रीय संस्थान से समूचे देश के नेत्रहीनों को किस तरह से शिक्षा दी जा सकेगी ? हमने अपने प्रश्न के भाग 'ख' में यह पूछा था कि आप प्रत्येक प्रदेश में कितने केन्द्र खोलेंगे, उसका तो उत्तर ही नहीं आया। मंत्री जी जानते हैं कि नेत्रहीनों की शिक्षा विशेष प्रकार की होती है। आप प्रौढ़ शिक्षा का कार्यक्रम चालू करने जा रहे हैं। नेत्रहीनों को तो ब्रेल पद्धति से शिक्षा देनी होती है, के माध्यम से तो वह संभव नहीं है। जब ब्रेल पद्धति के प्रशिक्षित प्राध्यापक हों तभी वह शिक्षा दी जा सकती है। नेत्रहीनों के लिए समाज पर दायित्व है। इसलिए मैं मंत्री जी से जानना

चाहता हूं कि यह राष्ट्रीय संस्थान कब तक स्थापित हो जाएगा । दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि देश के प्रत्येक प्रान्त में भी क्या आप कुछ इस परह के संस्थान स्थापित करने जा रहे हैं?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : मान्यवर, माननीय सदस्य की जो शिकायत है, मैं मानता हूं कि बिल्कुल सही है । हमारे बीच में दृष्टिहीन व्यक्ति बहुत हैं जिनके लिए शिक्षा की सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं । यह समस्या गम्भीर समस्या है, यह मैं मानता हूं । लेकिन सिर्फ केन्द्र खोल देने से ही यह समस्या आसान नहीं हो सकती है । ट्रेंड परसोनल का भी सवाल है क्योंकि दृष्टिहीनों को ब्रेल पद्धति से शिक्षा देनी होती है । इसके लिए हमने कुछ केन्द्र खोले हैं लेकिन अभी भी वे अधिक नहीं हुए हैं । हम यह अवश्य सोचते हैं कि यह जो समस्या है बहुत गम्भीर है लेकिन खेद की बात है कि हमारे पास साधन पर्याप्त नहीं हैं जिसके कारण हम यह नहीं कर पाते हैं ।

श्री यमुना प्रसाद शास्त्री : आपने छठी पंच-वर्षीय योजना में दो सौ करोड़ रुपये का प्रावधान प्रौढ़ व्यक्तियों को शिक्षा देने के लिए रखा है । यह प्रशंसनीय बात है । नेत्रहीन व्यक्तियों को चूंकि एक विशेष किस्म से शिक्षा दी जाती है क्या इसके लिए आपने अलग से कोई प्रावधान रखा है ? यदि हां तो नेत्रहीनों की शिक्षा पर आप कितनी धनराशि खर्च करने जा रहे हैं ? आपने स्वयं कहा है कि खेद की बात है, इस विषय में जितना प्रयास होना चाहिए था उतना हम नहीं कर पा रहे हैं । श्रीमन् केवल खेद व्यक्त कर देना ही पर्याप्त नहीं होगा । शासन की यह जिम्मेदारी है कि वह नेत्रहीन व्यक्तियों को समाज के लिए उपयोगी बनाये । इसलिये मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि प्रौढ़ शिक्षा के लिए हर वर्ष कितनी धनराशि की व्यवस्था आपने की है और नेत्रहीन व्यक्तियों को शिक्षित करने के लिए कितनी राशि की व्यवस्था आप करने जा रहे हैं?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए खास कर अभी तय नहीं हुआ है । लेकिन हम इस सम्बन्ध में चर्चा कर रहे हैं । इसमें दिक्कत है क्योंकि नेत्रहीन व्यक्ति कुछ स्थानों पर ही सीमित नहीं होते हैं । वे तमाम प्रांतों में इधर-उधर रहते हैं । इसके अलावा नेत्रहीनों को ब्रेल पद्धति से शिक्षा देने की बात है जिसको प्रत्येक गांव तक नहीं फैलाया जा सकता है । ये सब दिक्कतें हैं । अगर हमारे माननीय सदस्य चाहें तो मैं उन से बातचीत करने के लिए तैयार हूं ।

MR. SPEAKER: Shri Shankersinhji Vaghela—he is not here.
Shri B. Rachaiah.

SHRI B. RACHAIAH: Is the Minister aware that in the old Mysore city, a school for the blind, deaf and dumb has been started during the pre-Independence days. The Minister in his statement has said that financial assistance is being given to voluntary organizations which start such institutions. I would like to know whether the Minister is prepared to extend financial assistance to this institution which already exists but needs financial assistance for expansion and maintenance.

DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER: There are over 170 schools and other training establishment for training of blind persons. Now, if the hon. Member advises that particular institution to make a proper application, such an application will be considered.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए जो शिक्षा संस्थायें आपने बनाई हैं और जो ब्रेल लिपि की एक प्रेस भी बनाई है कुछ पुस्तकें बनाने के लिए उस संदर्भ में मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि उन को क्या आपने देश के धार्मिक और सांस्कृतिक ढांचे से परिचित कराने के लिए भी कोई ब्रेल लिपि में साहित्य तैयार किया है या इसकी कोई योजना है ? यदि नहीं है तो क्यों नहीं और यदि है तो वह क्या है ?

डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र : इस पर सूचना की जरूरत है ।

Implementation of Three Language Policy

*209. SHRI HITENDRA DESAI: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) which of the States and Union Territories have implemented the three language policy; and

(b) have Government fixed any target for its implementation?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) The implementation of three language policy is basically the